सिमरू माता शारदा गणपत लागू पाए देसी वंदना

सिमरू माता शारदा,
गणपत लागू पाए,
सुण्डाले ने सिमरू,
गणपत लागू पाय है,
हरी खेऊ गुगल धूप हरी ने।bd।

आगणौ रलीयावणो,
मन्द्रिये परियोंण,
मन्द्रिये मे जोतों जागे,
संतो बरसे नूर हे।bd।

कठे थारों बेसणौ,
कुड ओढन चीर है,
कूँण थारौ कौचवौ,
कूँण थारा वीर है।bd।

धरती माता बेसणौ,
आसमान ओढन चीर है,
तारामंडल कौचवौ,
साधुडा म्हारा वीर है।bd।

हालों भाईडा खेती बावा,
मोण्कारो बीज है,
खेती मो हीरा निपजे,
लेवण नर होशियार है।bd।

धारा अम्बर बेलड़ि गुरु,
राखणौ विश्वास है,
धारु रिखियौ बोलियों,
गुरु माला रे परियांण है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

सिमरू माता शारदा,
गणपत लागू पाए,
सुण्डाले ने सिमरू,
गणपत लागू पाय है,
हरी खेऊ गुगल धूप हरी ने।bd।

गायक – सुरेश जांगिड़ बाड़मेर।
प्रेषक – मांगीलाल सेन बायतु।
मोबाइल 7073648651

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com